भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1417
जिसका उत्तर मंगलवार 25 जुलाई, 2017 को दिया जाना है

बीएचईएल द्वारा ईएमएल के साथ संयुक्त उद्यम से बाहर निकलना

1417. श्री बी सेनगुट्टुवन:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भेल जिसने इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड (ईएमएल) जो कासरगौड, केरल में राज्य के स्वामित्व वाला सरकारी उपक्रम है, के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित किया था, की योजना ईएमएल में अपनी 51 प्रतिशत धरिता का विनिवेश करने की योजना है;

(ख) क्या महारत्न सरकारी क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) ईएमएल के व्यापार में तेजी लाने में असमर्थ रहा है और विगत पांच वर्षों से इसे भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क): जी, हां। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने दिनांक 21 अक्टूबर, 2016 को इसके द्वारा धारित 51% इक्विटी शेयर्स केरल सरकार अर्थात् संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी) में दूसरे भागीदार नामतः 'बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लि.' (बीएचईएल-ईएमएल) जो कि एक पृथक अनुसूची 'ग' सीपीएसई है और जिसकी विनिर्माण सुविधाएँ/संयंत्र कासरगौड (केरल) में हैं, को अंतरित करने का प्रस्ताव किया था। यह कदम नीति आयोग की एक समिति की सिफारिश की पृष्ठभूमि में उठाया गया था कि बीएचईएल-ईएमएल में भारत सरकार के अंश को राज्य सरकार को सौंप दिया जाए और राज्य सरकार द्वारा इनकार किए जाने की स्थिति में भारत सरकार की शेयरधारिता (स्टेक) की कार्यनीतिक बिक्री पर विचार किया जा सकता है। केरल सरकार से अनुरोध किया गया है कि बीएचईएल की 51 प्रतिशत इक्विटी को बीएचईएल-ईएमएल धारित करे। बीएचईएल-ईएमएल ने सूचित किया है कि केरल सरकार इस पर 'सैद्धांतिक' रूप से सहमत हो गई है।

(ख) और (ग): बीएचईएल-ईएमएल कंपनी अधिनियम के तहत पंजीकृत एक कंपनी है और इसका एक पृथक कानूनी अस्तित्व है। यह कंपनी स्वतंत्र रूप से अपने कार्यों का प्रबंधन करने के लिए उत्तरदायी है। बीएचईएल-ईएमएल के कार्यनिष्पादन में इसकी शुरुआत से ही तेजी नहीं आ पाई है, क्योंकि कंपनी निजी कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा करते हुए मुख्य रूप से कम लाभ वाले उत्पादों के साथ रेलवे उपकरणों के विनिर्माण के क्षेत्र में परिचालन कर रही है। संयुक्त उद्यम कंपनी में एक भागीदार के रूप में बीएचईएल ने बीएचईएल-ईएमएल को वर्ष 2011-12 में कार्यशील पूंजी ऋण के रूप में ₹1.7 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की, जिसे बीएचईएल-ईएमएल ब्याज सहित द्वारा 2012-13 में चुकाया गया और बीएचईएल ने ₹3 करोड़ की वित्तीय सहायता 2015-16 में दी जो अभी बकाया है। इसके अलावा, बीएचईएल ने बीएचईएल-ईएमएल दवारा शुरू किए जाने वाले नए उत्पादों (अर्थात् विभिन्न प्रकार के अल्टरनेटर्स, स्ट्रिंग मॉनिटरिंग यूनिट आदि) का निर्धारण एवं विकास करने के लिए तकनीकी एवं समन्वय सहायता भी प्रदान की। तथापि, ये प्रयास बीएचईएल-ईएमएल के कारोबार को आगे बढ़ाने में योगदान नहीं कर सके और यह शुरू से ही (जनवरी, 2011) हानि में चल रही है।

*****